भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या **127***

जिसका उत्तर शुक्रवार, 10 फरवरी, 2023/21 माघ, 1944 (शक) को दिया जाना है।

उर्वरकों का आयात

127*. श्री फ्रांसिस्को सर्दिन्हा:
श्री पोचा ब्रह्मानंद रेड्डी:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान देश में किस-किस प्रकार के, कितनी-कितनी मात्रा में और कितने-कितने मूल्य के उर्वरकों का आयात किया गया और उनका ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार ने उर्वरकों के आयात को कम करने और उसमें विविधता लाने के लिए कोई कदम उठाए हैं;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(घ) क्या सरकार ने आयात पर निर्भरता को दूर करने और उर्वरकों के संबंध में विविधीकरण के लिए कोई रूपरेखा तैयार की है; और
(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा रसायन और उर्वरक मंत्री
(डा. मनसुख मांडविया)

(क) से (ड.): विवरण सदन के सभा पटल पर रख दिया गया है।

"उर्वरकों का आयात" के संबंध में दिनांक 10.02.2023 के लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 127* के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क): गत तीन वर्ष और चालू वर्ष (जनवरी' 23 तक) के दौरान देश में आयातित उर्वरकों (यूरिया, डीएपी, एमओपी और एनपीके) की मात्रा के ब्यौरे निम्नानुसार हैं:

(मात्रा एलएमटी में)

वर्ष	यूरिया	डीएपी	एमओपी	एनपीके
2019-20	91.23	48.70	36.70	7.46
2020-21	98.28	48.82	42.27	13.90
2021-22	91.36	54.62	24.60	11.70
2022-23 (जनवरी'23 तक)	73.10	58.80	17.36	22.49

वर्ष 2019-20, 2020-21, 2021-22 और 2022-23 (जनवरी' 23 तक) के दौरान आयातित यूरिया की मात्रा क्रमश: 2302.95, 2580.27, 6041.06 और 4633.31 मिलियन यूएस डॉलर है। सभी पीएण्डके उर्वरक पोषकतत्व आधारित राजसहायता (एनबीएस) स्कीम के तहत राजसहायता प्राप्त हैं और यह मुक्त सामान्य लाइसेंस (ओजीएल) के तहत कंपनियों द्वारा व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य शर्तों पर आयातित किए जाते हैं।

(ख) से (ड.): सरकार ने उर्वरकों के संबंध में आयात निर्भरता और विविधता पर ध्यान देने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं:-

- नई निवेश नीति के तहत 6 नई यूरिया इकाइयों को स्थापित किया गया है। ये मैटिक्स फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स लिमिटेड (मैटिक्स) की पानागढ़ यूरिया इकाई; चंबल फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स लिमिटेड (सीएफसीएल) की गड़ेपान-।।। यूरिया इकाई; रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) की रामागुंडम यूरिया इकाई; और हिंदुस्तान उर्वरक एण्ड रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) की 3 यूरिया इकाइयां नामत: क्रमश: गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी हैं। इन इकाइयों में प्रत्येक इकाई की यूरिया उत्पादन की संस्थापित क्षमता 12.7 लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष है। अत: इन इकाइयों ने मिलकर देश की वर्तमान स्वदेशी यूरिया उत्पादन क्षमता में 76.2 एलएमटी प्रतिवर्ष की वृद्धि की है जिससे कुल यूरिया उत्पादन 283.74 एलएमटी तक बढ़ गया है। 12.7 एलएमटी प्रति वर्ष क्षमता के साथ तलचर इकाई के पुनरुद्धार के लिए एक विशेष नीति भी अधिसूचित की गई है।

- सरकार ने स्वदेशी यूरिया उत्पादन को अधिकतम करने के प्रमुख उद्देश्य के साथ नई यूरिया नीति (एनयूपी)-2015 अधिसूचित की है। इसमें यूरिया का 20-25 एलएमटी प्रतिवर्ष अतिरिक्त उत्पादन हुआ है।

- मध्य भारत एग्रो प्रोडक्ट लिमिटेड इकाई-।। और कृष्णा फॉस्केम लिमिटेड द्वारा 2.4 एलएमटी और 3.3 एलएमटी/प्रति वर्ष के साथ नए डीएपी/एनपीके उर्वरक संयंत्रों को अनुमति प्रदान की गई है।

- शीरे से प्राप्त पोटाश (पीडीएम), जो स्वदेशी रूप से विनिर्मित उर्वरक है, को पोषकतत्व आधारित राजसहायता (एनबीएस) स्कीम के तहत शामिल किया गया है।

- सरकार रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग को कम करने हेतु जैव/आर्गेनिक उर्वरकों और नैनो यूरिया जैसे अभिनव उर्वरकों सहित एकीकृत और संतुलित पोषकतत्व प्रयोग को बढ़ावा दे रही है।

- उर्वरक विभाग ने ओक्यू ट्रेडिंग (ओमान) के साथ 3 वर्ष की अवधि (फरवरी 2022-जनवरी 2025) हेतु वार्षिक रूप से 10 एलएमटी यूरिया की आपूर्ति के लिए निबंधन पत्र (टर्म शीट) पर हस्ताक्षर किए हैं।

- कंपनियों ने कच्चे माल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विदेश में दीर्घावधि करार पर हस्ताक्षर किए हैं और संयुक्त उद्यम स्थापित किए हैं। इसी प्रकार, फास्फेटयुक्त और पोटाशयुक्त उर्वरकों हेतु स्वदेशी खनिजों की खोज को वरीयता प्रदान की गई है।

******